

( ता, तं ) ; ( 4 ) सतृष्णः ( ण्णा, ण्णं ) ; ( 5 ) पिपासु ( mfn. ) ; ( 6 ) तृष्णातुरः ( रा, रं ) ; ( 7 ) तृष्णाकुलः ( ला, लं ) .  
**THIRTEEN** : त्रयोदशन् ( mfn. ). *T.-th* : त्रयोदशः ( शी, शं ) .  
**THIRTIETH** : ( 1 ) त्रिंशः ( शा, शं ) ; ( 2 ) त्रिंशत्तमः ( मी, मं ) .  
**THIRTY** : त्रिंशत् ( f. ), *t.-fold* : त्रिंशद्गुणः ( णा, णं ) .  
**THIS** : ( 1 ) by एतद्, *who is t. Rāma* : क एष रामः, Pra. ; *t. speech of Uddhava* : औद्धवीं वाचमेनाम्, Si. ii. 118. ; *for t. I live* : एतदर्थं हि जीवामि, Mah. ; ( 2 ) by इदम्, *through t. row of young plants* : अनया बालपादपवीथ्या, Sa. iii. ; *t. way, gentlemen* : इत इतो भवन्तः, Sa. ii. .  
**THISTLE** : a plant : शृगालपुच्छः ( ? ) .  
**THITHER** : तत्र. *T. wards* : तं देशं प्रति and sim. expr.s.  
**THONG** : ( 1 ) वरत्रा ; ( 2 ) वन्नी ; ( 3 ) चर्मरज्जुः, and sim. comp.s.  
**THORN** : I. A prickle : कण्टक ( mn. ). II. Fig. : कण्टक ( mn. ), *avoids heroes like t.s* : शूरं कण्टकमिव परिहरति, K. III. A thorny plant : कण्टकिन् ( f. नी ), -वृक्षः ( or लता ) .  
**THORN-APPLE** : I. The tree : धुस्तु(स्तु)रः. II. The fruit : धुस्तुरम्.  
**THORNY** : ( 1 ) कण्टकिन् ( f. नी ) ; ( 2 ) कण्टकावृत ( f. ता ), and sim. comp.s.  
**THOROUGH** : ( 1 ) सम्यक् ( मीची ), *t. instruction* : सम्यग्विनियनम्, D. ii. ; ( 2 ) सम्पूर्ण ( f. र्णा = full, complete : q.v. ), Pr. ; *t. master* : ( 1 ) पारग ( f. गा ) ; ( 2 ) पारङ्मन् ( mfn. ).  
**THOROUGHbred** : ( 1 ) आजानेय ( f. यी ) ; ( 2 ) महाकुलीन ( f. ना ) ; etc.  
**THOROUGHfare** : राजमार्गः : v. Street, road.  
**THOROUGHly** : ( 1 ) सम्यक्, *after being t. instructed* : सम्यग् विनीय, R. v. 10. ; ( 2 ) आद्यन्तम् (= from beginning to end) : v. Also fully.  
**THOU** : I. Subs. : त्वम् ( G. ch. xviii. ). II. Verb : त्वंकरोति, *one should avoid t.ing and calling seniors by name* : त्वङ्कारं नामधेयञ्च ज्येष्ठानां परिवर्जयेत्, Mah. xii. 193. 25.  
**THOUGH** : -अपि : v. Although.  
**THOUGHT** : I. In gen. : ( 1 ) चिन्ता, *with hun-*

*dreds of t.s* : चिन्ताशैलैः, K. ; ( 2 ) विचारः (= consideration) ; ( 3 ) ध्यानम् (= meditation). II. Idea, notion : q.v. : मतम्. III. = mind : q.v. : बुद्धिः, *evil t.s* : द्रोहबुद्धिः ; *she could not express her t.s* : मनोगतं सा न राशकं शंसितुम्, Ku. v. 51.

**THOUGHTFUL** : I. Of men : ( 1 ) चिन्ताशील ( f. ला ) ; ( 2 ) चिन्तापरायण ( f. णा ), and sim. comp.s. II. Attentive, careful : q.v. III. *Full of thought* : चिन्ताकुल ( f. ला ), and sim. comp.s : v. Waking.

**THOUGHTFULLY** : ( 1 ) विचिन्त्य ; ( 2 ) विचार्य ; ( 3 ) विमृष्य.

**THOUGHTFULNESS** : ( 1 ) चिन्ताशीलता ; ( 2 ) चिन्ताकुलता ; etc. : v. Adj.

**THOUGHTLESS** : I. Lit. : निश्चिन्त ( f. न्ता ). II. Careless : q.v. : प्रमत्त ( f. ता ).

**THOUGHTLESSLY** : I. Lit. : निश्चिन्तम्. II. Carelessly : q.v. : अविमृष्य.

**THOUSAND** : ( 1 ) सहस्रम्, *not less than four t. verses* : अन्यूनचत्वारि श्लोकसहस्राणि, V. m. 107. 11. ; *two t.* : द्वे सहस्रे ; *ten t.* : दश सहस्राणि ; *t. arms* : दोष्णां सहस्रम्, Mah. ; ( 2 ) दशशतम् ( ती ) ( rare ). *T. times* : सहस्रकृत्वः ; *t.s of times* : सहस्रशः ; *in t. ways or parts* : सहस्रधा ; *ten t.* : अयुतम् ; *hundred t.* : लक्षम् ; *the t.-eyed ( Indra )* : सहस्राक्षः ; *the t.-armed ( Arjuna )* : सहस्रबाहुः ; *the t.-rayed ( sun )* : सहस्रांशुः ; *the t.-headed ( sun )* : सहस्रशीर्षः.

**THOUSANDth** : I. Adj. : सहस्रतमः ( मी, मं ). II. Subs. : सहस्रांशः.

**THRALL** : दासः. v. Slave.

**THRALDOM or THRALDOM** : दास्यम् : v. Slavery.

**THRASH** : I. Lit. : निस्तुषीकरोति. II. To beat soundly : परुषं प्रहरति ( ह, c. 1. ), *t.ing* : परुषप्रहारः and sim. comp.s.

**THREAD (subs.)** : ( 1 ) सूत्रम्, *golden t.* : सुवर्णसूत्रम्, Si. ; ( 2 ) तन्तुः ; *t. of hope* : आशातन्तुः, Ma. ix. 25.

**THREAD (v.)** : I. To string : q.v. : सूत्रयति. II. To t. one's way : प्रसरति ( सप्, c. 1. ) : v. To go, move.